Dr. Sangita Kumari Saha
B.A.D. - III (H) VII paper

## Sources of Research Problem

एक वैज्ञानिक समस्या का प्रतिपादन, निश्चित रूप से किसी भी शोधकर्ता के लिए एक कठिन कार्य होता है फिर भी वह अपने कठिन कार्य को आसान बनाने के लिए कुछ ऐसे Sources का सहारा लेता है जिनसे उसे शोध समस्या का प्रतिपादन करना काफी आसान हो जाता है। ऐसे स्रोतों में निम्नांकित स्रोत काफी प्रमुख है।—

(i) शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों द्वारा अनुभव की गई प्रमुख समस्याओं का अध्ययन कर शोधकर्ता एक प्रमुख शोध समस्या का प्रतिपादन कर सकता है। उदाहरणस्वरूप, आजकल छात्र उपद्रव एक महत्वपूर्ण समस्या है जिससे स्कूल तथा कॉलेज के शिक्षक और यहाँ तक कि अभिभावक गण भी काफी परेशान हैं। अतः यह विषय शोध का एक महत्वपूर्ण अंग बन सकता है। एक शोधकर्ता इससे कई तरह की शोध समस्या का formulation कर सकता है।

(ii) सफल शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक शोध समस्या का प्रतिपादन करने के लिए पाठ्य पुस्तक, शोध जर्नल आदि भी सावधानी पूर्वक पढ़ता है। बहुत से Research articles ऐसे होते हैं जिनमें लेखक सम्भावित शोध समस्या की ओर संकेत करता है।

(iii) शोधकर्ता किसी वैज्ञानिक शोध समस्या का प्रतिपादन करने के लिए शोध प्रोफेसर, विशेषज्ञ आदि से भी सलाह करते हैं।

Scanned with CamScanner

(iv) समाज में होने वाले नये-नये परिवर्तनों तथा शैक्षिक नवीनता से भी शोधकर्त्ता को कुछ शोध समस्याएं मिल जाती हैं। जैसे: आधुनिक युग में कम्प्यूटर का प्रयोग अत्यधिक हो रहा है अतः इससे संबंधित कुछ शोध समस्या शोधकर्ता को आसानी से मिल जाती है।

(V) कभी-कभी किसी अध्ययन विषय के कुछ ऐसे क्षेत्र होते हैं जिनके बारे वैज्ञानिक जानकारी की प्रायः कमी होती है। सामान्यतः ऐसे क्षेत्र वे होते हैं जिनके सम्बन्ध में अभी तक किसी प्रकार का शोध नहीं किया गया है। जब ऐसे क्षेत्र के विषयों के बारे में शोधकर्ता के मन में कुछ जिज्ञासा उठती है तो वह कुछ प्रश्नों को अपने सामने रखता है तो। इससे शोध समस्या की उत्पत्ति होती है।

(VI) शोध समस्या की उत्पत्ति परस्पर विरोधी शोध उपलब्धियों की परिस्थिति से भी होती पायी गयी है। कभी-कभी ऐसा होता है कि एक शोध समस्या पर किये गये दो या दो से अधिक अलग-अलग शोधों के परिणाम एक दूसरे से भिन्न एवं विपरीत हो जाते हैं। शोधकर्ता के लिए ऐसी परिस्थिति में समस्या यह उत्पन्न हो जाती है कि वह किस परिणाम को सही माने। इसके निराकरण के लिए उसे एक नया शोध करना पड़ जाता है। परस्पर विरोधी शोध परिणाम का सबसे अच्छा उदाहरण हमें learning के क्षेत्र में मिलता है।